Dr. Girija Uraonw
Associat professor
Depatt of psychology
Rohtas mahila college, Sasaram
B.A. part-II paper III Group A

Q Define Hypothesis and describe the criteria of a good hypothesis.

(प्राकल्पना की परिभाषा दीजिए और व्यवहार योग्य प्राक्कल्पना की व्याख्या करें।)

Q एक अच्छी परिकल्पना की कसौटियों की विवेचना करें।

प्राक्कल्पना की सहायता से ही सामाजिक घटनाओं को वैज्ञानिक रूप दिया जाता है। मनोवैज्ञानिक ने प्राकल्पना को पृथक-2 दृष्टिकोणों से देखा है। कोहेन तथा नंगेल के विचारानुसार, "हम किसी भी अध्ययन में एक पग भी आगे नहीं बढ़ सकते जबतक हम उसे उत्पन्न करने वाली कठिनाईयों के सुझावपूर्ण विवेचन अथवा समाधान से प्रारंभ न करें।" (we cannot take a single step forward in any enquiry unless we begin with a suggested explanation or solution of the difficulty which originated it.) दूसरे शब्दों में किसी अध्ययनकर्ता द्वारा अध्ययन हेतु अपनाये गये प्रारंभ बिन्दु को ही हम प्राक्कल्पना कह सकते हैं।

लुन्डबर्ग ने प्राक्कल्पना की परिभाषा इस प्रकार दी है-" प्राक्कल्पना एक समयिक तथा कामचलाऊ सामान्यीकरण अथवा ऐसा निष्कर्ष है जिसकी सत्यता की परीक्षा करना शेष रहता है। अपने बिलकुल प्रारंभिक चरणों में प्राकल्पना मनगढ़ंत अनुमान, कल्पनापूर्ण विचार अथवा सहजज्ञान इत्यादि कुछ भी हो सकता है जो क्रिया अथवा अनुसंधान का आधार बन जाता है। गुड तथा स्केट्स ने प्राक्कल्पना की परिभाषा इस प्रकार दी है -

"एक प्राक्कल्पना अपनाए गए तथ्यों अथवा दशाओं का

विवेचना करे, अध्ययन को मार्गदर्शित करने के लिए निर्मित तथा अस्थायी रूप से ग्रहण की गई बुद्धिमतापूर्ण कल्पना अथवा निष्कर्ष होता है।" (A Hypothesis is a shrewd guess or inference that is formulated and provisionally adopted to explain facts conditioned and to guide in further investigation.)

गुडे तथा हाट्ट महोदय ने प्राक्कल्पना की परिभाषा इस प्रकार दी है- "प्राक्कल्पना एक ऐसी मान्यता होती है जिसकी सत्यता सिद्ध करने के लिए उसका परीक्षण किया जा सकता है।" यह परीक्षण अवलोकनीय होता है। प्राक्कल्पना हमें बिना परीक्षण के किसी भी कथन को स्वीकार करने के लिए रोकती है। श्रीमति यंग के मतानुसार "यह कार्यवाहक विचार जो उपयोगी अन्वेषण का आधार बनता है, कार्यवाहक प्राक्कल्पना माना जाता है।" वैज्ञानिक अनुसंधानकर्ता अपने तथ्यों के संबंध में सामान्य ज्ञान पर आधारित होकर प्रयत्न करके अथवा परीक्षण कर अपनी भूल में सुधार लाकर उन कारकों को अलग कर देता है जो प्रस्तावित अध्ययन की समस्याओं पर अपना प्रभाव डाल सके। इस प्राक्कल्पना के द्वारा ही विभिन्न तथ्यों के मध्य कारणात्मक संबंध स्थापित होता है और सामाजिक केन्द्रीय स्थान की प्राप्ति होती है।

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं के मुख्य तथ्यों पर विचार करने के उपरान्त हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि प्राक्कल्पना, वह प्रारंभिक कल्पना, विचार या आधार है जो सामाजिक तथ्यों एवं समस्याओं का अन्वेषण करने तथा

उनके संबंध में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरणा देने का कार्य करता है। प्राक्कल्पना के अभाव में अध्ययन कर्ता का अनुसंधान कार्य विफल हो जाता है। इसलिए प्राक्कल्पना को अध्ययन का प्रथम चरण माना जाता है। प्राक्कल्पना किसी अध्ययन की आधारशिला है अतएव इसे हम किसी अध्ययन का पूर्वविचार ही कह सकते हैं।

Scanned with CamScanner